



डॉ० अर्चना श्रीवास्तव

शिक्षा और आधुनिक प्रौद्योगिकी

शिक्षा शास्त्र, बलिया (उ०प्र०), भारत

Received-05.06.2022, Revised-10.06.2022, Accepted-14.06.2022 E-mail: archanasri2610@gmail-com

सांशः— प्रौद्योगिकी का सरल शब्दों में अर्थ है कि जिसके प्रयोग से कोई भी कार्य सुगम या सुविधाजनक हो जाता है, उसे प्रौद्योगिकी कहते हैं। प्रौद्योगिकी को मानव हाथों की कला माना जा सकता है। तकनीक के भीतर किसी भी वैज्ञानिक जानकारी का उपयोग किसी उद्देश्य के लिए किया जाता है, जिसका उपयोग कई चीजों को आसान बनाने के लिए किया जा सकता है और कई जानकारी देखी जा सकती है। हम अपने दैनिक जीवन में कार्यों को आसान बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हैं। आज हम तकनीक के बिना कुछ समय तक नहीं रह पाएंगे, आज स्मार्टफोन, कंप्यूटर, इंटरनेट, टेलीविजन आदि हमारे लिए एक बड़ी आवश्यकता बन गए हैं। टेक्नोलॉजी भी इंसान के बाद ईश्वर की सबसे बड़ी देन है। यह वास्तव में सभ्यताओं, कलाओं और विज्ञानों की पीढ़ी है। प्रौद्योगिकी एक अर्थव्यवस्था के विकास का आधार है। समृद्ध प्रौद्योगिकी देश की अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक है, क्योंकि प्रौद्योगिकी हमारे काम को आसान और छोटा बनाती है। प्रौद्योगिकी हर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और इस क्षेत्र में इसकी सबसे अधिक उपस्थिति है, उनमें से एक शिक्षा क्षेत्र में है। प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, लोगों के बीच शिक्षा का प्रसार शुरू हो गया है और शिक्षा को आसान, सुखद और सुलभ बनाने के लिए उन्नत तकनीकों को पेश करना जारी है। आजकल बच्चों के लिए शिक्षा उबाऊ और कठिन नहीं है क्योंकि शैक्षिक तकनीकों ने उनके लिए इसे आसान और आसान बना दिया है।

कुंजीशब्द— प्रौद्योगिकी, सुगम या सुविधाजनक, कला, तकनीक, वैज्ञानिक जानकारी, जानकारी, दैनिक जीवन।

21वीं सदी को अक्सर प्रौद्योगिकी की सदी के रूप में जाना जाता है। आज की तकनीक हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, प्रौद्योगिकी के माध्यम से ही कोई दूरियां नहीं होती हैं और छात्रों के जीवन में शिक्षा को आसानी से लाया जा सकता है। प्रौद्योगिकियों का हर संभावित क्षेत्र पर प्रभाव पड़ता है इस प्रकार शिक्षा क्षेत्र सभी के बीच आवश्यक है। शिक्षा की उत्पत्ति सांस्कृतिक विरासत को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक या दूसरे शब्दों में सीखने के रूप में हुई है जिसमें शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान के माध्यम से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी के लोगों के समूह का ज्ञान, कौशल और आदतें शामिल हैं। इस पत्र में हम आधुनिक तकनीक के हर पहलू और शिक्षा में इसके महत्व के बारे में चर्चा करेंगे।

शिक्षा में आधुनिक तकनीक— आज की पीढ़ी में तकनीक हमारे जीवन का हिस्सा बन गई है। स्मार्ट टीवी, वाशिंग मशीन, लैपटॉप से लेकर स्मार्टफोन तक, हम तकनीक द्वारा संचालित सभी प्रकार के गैजेट्स के आदी हैं। नई प्रौद्योगिकियां नियमित रूप से बाजार में आती हैं और हर गुजरते दिन के साथ हमारे जीवन को बेहतर बनाती हैं। प्रौद्योगिकी का हर क्षेत्र में और विशेष रूप से शिक्षा क्षेत्र में अपना अनुप्रयोग है। इसका उपयोग कक्षाओं में कक्षाओं को इंटरैक्टिव बनाकर सीखने को मजेदार बनाने के लिए किया जा रहा है। उन्नत प्रौद्योगिकियां शिक्षा को आसान, सुखद और सुलभ बनाती हैं। आज की शिक्षा प्रणाली में, प्रौद्योगिकी एक शिक्षक, एक शिक्षण उपकरण और एक सीखने के उपकरण के रूप में कार्य करती है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए आधुनिक तकनीक को लागू करने की प्रक्रिया। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में हमने शिक्षा नीति में कई बदलाव देखे हैं, प्रौद्योगिकी के समावेश के कारण बदलते समय के अनुसार हमारी शिक्षा नीति बेहतर हो रही है। शिक्षा के क्षेत्र में। हमारे देश की बढ़ती आधुनिक तकनीक के कारण हमारे देश का नाम बड़े देशों के साथ लिया जाता है। शैक्षिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके, शिक्षक डिजिटल रूप से इंटरैक्टिव पाठ्यपुस्तकें बना सकते हैं, पाठ पढ़ सकते हैं, उपस्थिति ले सकते हैं, गृहकार्य कर सकते हैं, प्रश्नोत्तरी और परीक्षण कर सकते हैं, और सामग्री, शैली और प्रारूप से संबंधित वास्तविक समय में सीख सकते हैं। शैक्षिक प्रौद्योगिकी शिक्षकों और छात्रों दोनों को ऐसे वातावरण में सीखने की क्षमता प्रदान करके पारंपरिक शिक्षा और शिक्षण विधियों को बाधित कर रही है जो अब स्मार्टफोन, लैपटॉप और टैबलेट जैसे सामान्य उपकरणों का उपयोग करता है।

कक्षा में आधुनिक तकनीक की आवश्यकता— यह सीखने की शैलियों में विविधता को समझने का सबसे अच्छा तरीका है। यह सहयोग का समर्थन करता है और सहपाठियों को एक साथ अधिक बातचीत करने में मदद करता है। प्रौद्योगिकी शिक्षकों को अपने छात्रों को वास्तविक दुनिया का सामना करने के लिए तैयार करने में मदद करती है। यह छात्रों को तेज और आसान तरीके से अप-टू-डेट जानकारी तक पहुंचने में सक्षम बनाता है। कक्षा प्रौद्योगिकी ने शिक्षकों को प्रोत्साहन और सलाहकार में बदल दिया है।



छात्र ई-पुस्तकों का लाभ प्राप्त कर सकते हैं जो हमेशा अद्यतन, सहायक, रचनात्मक और कम बजट वाली होती हैं।

कक्षा में प्रौद्योगिकी उपकरण- कक्षा में कंप्यूटर का उपयोग करना शिक्षक के लिए बहुत आसान हो जाता है ताकि वह छात्रों को नई-नई सामग्री नई वेबसाइट नई चीजों के बारे में जानकारी प्रदान कर सके। कक्षा में अनावश्यक शोर से बचने के लिए माइक्रोफोन का उपयोग किया जाता है ताकि छात्र शिक्षक की आवाज को बेहतर ढंग से सुन सकें और सामग्री को बेहतर तरीके से समझ सकें। स्मार्ट बोर्ड का उपयोग करके शिक्षक और छात्र दोनों को बहुत लाभ होता है जहाँ शिक्षक लिखित सामग्री को अधिक समय तक सुरक्षित रख सकते हैं। वहीं छात्र 3डी माध्यम से चीजों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं।

ऑनलाइन अध्ययन उपकरण- ऑनलाइन स्टडी गेम्स, प्रक्षेपक, ऑनलाइन माध्यम, मोबाइल फोन, ऑनलाइन अध्ययन, ब्लॉग।

शिक्षा में आधुनिक तकनीक के सकारात्मक प्रभाव- प्रौद्योगिकी का एक हिस्सा जिसे आईसीटी कहा जाता है, छात्रों को कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से डिजिटल जानकारी तक पहुंचने में मदद करता है। आधुनिक तकनीक छात्र-केंद्रित और स्व-निर्देशित सीखने का समर्थन करती है। यह छात्र और शिक्षक के लिए भी एक रचनात्मक सीखने का माहौल बनाने में मदद करता है। आधुनिक तकनीक छात्रों को नई चीजें सीखने के लिए और अधिक उत्साहित करती है। आधुनिक तकनीक दूरस्थ शिक्षा के वातावरण में एक सहयोगी शिक्षण को बढ़ावा देती है। आधुनिक तकनीक महत्वपूर्ण सोच कौशल विकसित करने के अधिक अवसर प्रदान करती है। आधुनिक तकनीक शिक्षण-अधिगम गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करती है आधुनिक तकनीक वैश्वीकरण को बढ़ावा देती है।

शिक्षा में आधुनिक तकनीक के नकारात्मक प्रभाव- कभी-कभी छात्र अनुपयुक्त सामग्री तक पहुंच जाते हैं। कई विशेषज्ञों और अनुभवी लोगों का कहना है कि तकनीक के कारण छात्रों की कल्पना शक्ति प्रभावित होती है, उनकी सोचने की क्षमता कम हो जाती है। ऑनलाइन चॉटिंग और शॉर्टकट के अत्यधिक उपयोग के कारण आज की युवा पीढ़ी में लेखन कौशल में काफी गिरावट आई है। ग्राफिकल कैलकुलेटर, हार्ड टेक घड़ियाँ, मिनी कैमरा और इसी तरह के अन्य उपकरणों जैसे तकनीकी विकास परीक्षा में नकल के महान स्रोत बन गए हैं। ऑनलाइन दुनिया से लगातार जुड़े रहने के कारण शिक्षाविदों में फोकस और एकाग्रता की कमी हुई है। जब तकनीक का इस्तेमाल हद से ज्यादा हो जाए तो कई स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं।

शारीरिक प्रभावों में शामिल हो सकते हैं: 1-मोटापा, 2- ब्लड सर्कुलेशन कम होना, 3-घुमावदार रीढ़, 4-शरीर की खराब मुद्रा, 5-सिरदर्द, 6- आंखों की रोशनी कम होना।

मनोवैज्ञानिक प्रभाव या मनोवैज्ञानिक मुद्दों में शामिल हो सकते हैं: 1- विचलन, 2-अवसाद, 3- चिंता।

हमारे छात्रों पर प्रौद्योगिकी के सबसे नकारात्मक प्रभावों में से एक यह है कि यह धीरे-धीरे और धीरे-धीरे उनके सामाजिक कौशल को नष्ट कर रहा है और अलग-थलग रहने का विकल्प चुन रहा है। वे आसानी से तकनीक के आदी हो जाते हैं जिसके कारण वे इसका अधिक से अधिक उपयोग करते हैं।

निष्कर्ष- उपरोक्त स्पष्टीकरण यह स्पष्ट करता है कि प्रौद्योगिकी तीव्र गति से बढ़ रही है और हमारे जीवन को पहले से कहीं अधिक आसान बनाने में भूमिका निभा रही है। प्रौद्योगिकी ने शिक्षण और सीखने की अवधारणाओं को पूरी तरह से बदल दिया है अब यह इसके उपयोग पर निर्भर करता है कि या तो हम इसे सकारात्मक या नकारात्मक रूप से उपयोग करते हैं। जैसा कि हम शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी की क्रांति देख रहे हैं।

हम सभी अच्छी तरह से जानते हैं कि कैसे महामारी के समय में तकनीक ने हमारी मदद की है। जिस तरह तकनीक का हमारे लिए सकारात्मक महत्व है, उसी तरह नकारात्मक पहलू भी हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें यह समझना चाहिए कि हम प्रौद्योगिकी का कितना अच्छा उपयोग करते हैं और हम प्रौद्योगिकी का कितना सकारात्मक उपयोग करते हैं। छात्रों को समझाया जाना चाहिए कि कौन सी चीजें जरूरी हैं और कौन सी चीजें जरूरी नहीं हैं, तो वे बहुत अच्छी तरह से समझ पाएंगे और अपने जीवन में सफलता हासिल कर पाएंगे।

हमारा उद्देश्य प्रौद्योगिकी के सकारात्मक पक्ष को देखना और उसके नकारात्मक पक्ष को दूर करना है। टेक्नोलॉजी हमारे लिए वरदान की तरह है। अगर हम इसका सही दिशा में सही उपयोग करें तो हम अपने राष्ट्र के विकास में बहुत योगदान दे सकते हैं।

आज की पीढ़ी जिस तरह टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रही है, वह आने वाले कल के लिए हानिकारक साबित हो सकती है। इसलिए हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों को जागरूक करने की जरूरत है। उन्हें समझाएं कि आप इस तकनीक का इस्तेमाल अपने बेहतर भविष्य के लिए कैसे कर सकते हैं।



संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. स्ट्रेन, जे। (2003)। जैक्सनविल स्टेट यूनिवर्सिटी में शिक्षा कार्यक्रमों में उपयोग में शिक्षा प्रौद्योगिकी। टेकट्रेंड्स, 48, 47-49
2. पीए विले (2006) शिक्षा और प्रौद्योगिकी का एक परिचय।
3. शिक्षा शैक्षिक प्रौद्योगिकी और जनसंचार माध्यमों की अंतर्राष्ट्रीय समीक्षा, 231-249।
4. सुकन्या दत्ता, एस. (2019), एनसीपीसीआर ने स्कूल बैग का वजन कम करने के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए। खऑनलाइन, यहां उपलब्ध [gS%http%//www-newindianeupress-com/nation/2018/aug/03/ncpcr&Issues&new&guidelines&on&reducing&weight&of&school-bags-1852818](http://www-newindianeupress-com/nation/2018/aug/03/ncpcr&Issues&new&guidelines&on&reducing&weight&of&school-bags-1852818)। जउस खएक्सेस 13 अप्रैल 2019,।
5. एनसीईआरटी, 2009 की शोध रिपोर्ट, http%//www-ncert-nic-in/new_ncert/ncert/rightside/links/pdf/focus_group/educational_technology-pdf
6. भारत में शिक्षा में आईसीटी, 2012-13, <http%//www-icbse-com/ict&education7-> कक्षा अभ्यास के लिए शोध निष्कर्ष और निहितार्थ (टेक्सास उपकरण), 2005,
